भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग
****

विषय – नवंबर 2024 माह के लिए अंतरिक्ष विभाग का मासिक सारांश।

नवंबर 2024 माह के दौरान अंतरिक्ष विभाग की प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

I. लंबे समय से चल रहे अंतर-मंत्रालयी परामर्श के कारण लंबित नीतिगत और अन्य मामले जिन्हें विभाग मंत्रिमंडल सचिव के ध्यान में लाना चाहता है: **शून्य**।

II. मंत्रिमंडल सचिवालय या प्रधानमंत्री कार्यालय में लंबे समय से लंबित प्रस्ताव/संदर्भ: **शून्य।**

III. ऐसे किसी मामले का विवरण जिसमें कार्य के नियमों से विचलन हुआ हो: **शून्य।**

IV. कोई अन्य मामला/महत्वपूर्ण घटनाक्रम जो विभाग को लगता है कि मेरे ध्यान में लाया जाना चाहिए:

- एसडीएससी श्रीहरिकोटा में प्रमोचन यान चित्तिकरण संबंधी गतिविधियाँ:
  (क) पीएसएलवी-सी59/प्रोबा-3 मिशन पूरा हो गया है, जिसमें प्रथम प्रमोचन पैड पर उपग्रह एकीकरण भी शामिल है, जिसका प्रमोचन 4 दिसंबर, 2024 के लिए निर्धारित है।
  (ख) पीएसएलवी-सी60/स्पेडेक्स मिशन पीएसएलवी एकीकरण सुविधा में प्रगति पर है जिसका प्रमोचन अनंतिम रूप से दिसंबर 2024 के चतुर्थ सप्ताह के लिए निर्धारित किया गया।
  (ग) जीएसएलवी-एफ15/एनवीएस-02 मिशन यान संयोजन भवन (वीएबी) में जीएस2 चरण तक पूरा हो गया है, जिसका प्रमोचन जनवरी 2025 के दौरान अनंतिम रूप से निर्धारित है।

- जीसैट-एन2 संचार उपग्रह को 19 नवंबर, 2024 को अमेरिका के केप कैनावेरल से फाल्कन-9 प्रमोचन यान द्वारा सफलतापूर्वक प्रमोचित किया गया।
- गगनयान जी1 मिशन (प्रथम मानव रहित मिशन): एचएलवीएम3 यान के सभी चरण तैयार हैं। कर्मीदल मॉड्यूल और सेवा मॉड्यूल प्रणाली का एकीकरण प्रगति पर है। जी1 मिशन के लिए यान चित्तिकरण दिसंबर 2024 से प्रारंभ किए जाने की योजना है।
- इसरो और ऑस्ट्रेलियाई अंतरिक्ष एजेंसी के बीच गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए कर्मीदल और कर्मीदल मॉड्यूल पुनर्प्राप्ति में सहयोग से संबंधित कार्यान्वयन व्यवस्था पर 20 नवंबर, 2024 को हस्ताक्षर किए गए।
- 21 नवंबर, 2024 को स्क्रैमजेट नोदन परीक्षण सुविधा, आईपीआरसी में 10 सेकंड की अवधि के लिए ईंधन के रूप में एचटीपीबी+20%एआई और ऑक्सीकारक के रूप में गैसीय ऑक्सीजन के साथ 30केएन हाइब्रिड (ठोस ईंधन और गैसीय ऑक्सीकारक) रॉकेट मोटर का विकास संबंधी तप्त परीक्षण किया गया।
- विभिन्न भारतीय राज्यों में बाढ़, चक्रवात, भूस्खलन आदि के दौरान आपदा प्रबंधन हेतु सहायता प्रदान की गई। मंत्रालयों और राज्य सरकारों के अंतर्गत विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय परियोजनाओं के लिए भू-प्रेक्षण संबंधी सहायता प्रदान की गई।

..2/-

- इन-स्पेस द्वारा की गई अवसर संबंधी घोषणाओं के लिए प्रस्तुत बोलियों के आधार पर, 89इकाइयों के लिए भारतीय प्रशासन के अंतर्गत लाभार्थी के आईटीयू फाइलिंग को अंतिम रूप दे दिया गया है। इससे देश में जीएसओ संचार उपग्रह का स्वामित्व और संचालन करने वाली पहली भारतीय निजी कंपनी सक्षम हो पाएगी।

- लगभग 1400 संस्थानों के अनुमानित 35,700 प्रतिभागियों को सुदूर संवेदन, जीआईएस, जीएनएसएस, जियोवेब सेवाएं और इसके अनुप्रयोग को कवर करने वाले आउटरीच/दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से लाभ प्राप्त हुआ।

***